



Neutral Citation No. - 2026:AHC:15329

इलाहाबाद उच्च न्यायालय
रिट याचिका संख्या - सी - 613 वर्ष 2026

कन्हैया लालयाचिकाकर्ता

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य और 4 अन्यप्रतिवादी

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता: परमेश्वर यादव, पूजा गुप्ता

प्रतिवादी के अधिवक्ता: सी.एस.सी., सुधीर भारती

न्यायालय संख्या - 2

माननीय न्यायमूर्ति प्रकाश पांडिया

1. याचिकाकर्ता के विद्वान अधिवक्ता की बात सुनी और अभिलेख का अवलोकन किया।
2. प्रस्तावित आदेश को देखते हुए, प्रतिवादी/प्रतिवादियों को सूचित करने और इस याचिका को न्यायालय के समक्ष लंबित रखने से कोई लाभ नहीं होगा। हालांकि, यदि प्रतिवादी/प्रतिवादियों को आदेश से असंतुष्ट महसूस होती है, तो आदेश में पुनरीक्षण/परिवर्तन की मांग करने का उनका अधिकार सुरक्षित रखा जा रहा है।
3. याचिकाकर्ता द्वारा इस याचिका में मांगी गई मूल राहत यह है कि प्रतिवादी संख्या 2 को पुनरीक्षण संख्या 244/2020, कम्प्यूटरीकृत मामला संख्या सी202005000000244 (राम नरेश बनाम कन्हैया लाल और अन्य) का शीघ्र निर्णय करने का निर्देश दिया जाए।
4. याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने तर्क दिया है कि यद्यपि काफी समय बीत चुका है, लेकिन आज तक इस मामले में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।
5. मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए, वर्तमान याचिका का निपटारा करते हुए न्यायालय को निर्देश दिया जाता है कि वह उपरोक्त मामले का निर्णय कानून के अनुसार, तत्काल और अधिमानतः

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"



छह महीने की अवधि के भीतर करे, लेकिन बिना किसी अनावश्यक स्थगन के, जब तक कि कोई कानूनी बाधा न हो।

(न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया)

21 जनवरी, 2026

प्रमोद त्रिपाठी

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"